

2 कंपनी समाचार

संक्षेप में

डिजिटल धोखाधड़ी पर एयरटेल का प्रस्ताव

दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए 40 से अधिक बैंकों के साथ-साथ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से संपर्क किया है। एयरटेल ने इसके लिए घनिष्ठ सहयोग और एकीकृत मोचां बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें ज्ञात धोखाधड़ी वाले वित्तीय डोमेन के भंडार पर खुफिया जानकारी साझा करना शामिल है। एयरटेल ने एनपीसीआई से संपर्क किया है और डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने के लिए बहुस्तरीय रक्षा बनाने के लिए 'करीबी सहयोग' का प्रस्ताव दिया है। सूत्रों ने बताया कि सुनील मित्तल की अगुआई वाली इस दूरसंचार कंपनी ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी और अन्य प्रमुख बैंकों के साथ भी इसी तरह की पहल की है।

भाषा

बैजूस के समाधान पेशेवर की याचिका खारिज

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी)ने शिक्षा प्रौद्योगिकी ब्रांड बैजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न (टीएलपीएल) के समाधान पेशेवर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज में कंपनी के हिस्सेदारी के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश देने वाले एनसीएलटी के आदेश को चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि चूंकि राष्ट्रीय कंपनी न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का आदेश 'सहमित से' और एक अंतरिम आदेश है, जो पक्षों के रिश्तों को अतिकार का फैसला नहीं कर रहा है, इसलिए इस स्तर पर अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

भाषा

टाटा स्टील : जुलाई से ब्रिटेन परियोजना पर काम

घरेलू कंपनी टाटा स्टील को उम्मीद है कि वह जुलाई 2025 से ब्रिटेन में अपनी कम कार्बन ईएफए-आधारित इस्पात बनाने वाली परियोजना का निर्माण शुरू कर देगी और 2027 तक परिचालन शुरू कर देगी। कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने यह कहा है। टाटा स्टील के मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्र और कार्यकारी निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी औषिक चटर्जी ने कंपनी की वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कंपनी को पोर्ट टैलबोट में अपनी 1.5 अरब डॉलर की परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी मिल गई है। *भाषा*

चीन की डम्पिंग के खिलाफ सख्त कदम चाहे पीईटी रेजिन उद्योग

शाइन जैकब चेन्नाई, 8 जून

भारतीय पीईटी रेजिन वैकॉइ न्यू मैटेरियल्स (चीन की फर्म) जैसी प्रमुख निर्यातकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने की मांग के साथ डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) से संपर्क किया है।

फोरम ऑफ पीईटी मैन्यूफैक्चरर्स (एफओपीएम) का कहना है कि घरेलू कंपनियों का आरोप है कि वैकॉइ जैसी चीनी फर्म 'अनुचित व्यापार व्यवहार' में लिप्त हैं। उनका दावा है कि उनकी इन कार्य प्रणालियों की वजह से सरकार को राजस्व नुकसान हो रहा है और घरेलू उद्योग

की संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं।

यह तब हो रहा है जब अप्रैल 2021 से एंटी-डॉपिंग ड्यूटी (एडीडी) लागू है और सरकार ने नवंबर 2024 से वैकॉइ पर 25 डॉलर प्रति टन का अतिरिक्त एंटी-एक्जॉर्शन शुल्क लगाया है। एफओपीएम के अनुसार चीनी कंपनी अपनी निर्यात इकाई का दुरुपयोग कर रही है और अन्य चीनी निरमाताओं के उत्पादों को वैकॉइ के उत्पाद के रूप में दिखा कर डंप कर रही है। वैकॉइ ने इस संबंध में पूछे गए बिजनेस स्टैंडर्ड के सवालों का जवाब नहीं दिया है।

बताया जाता है कि वैकॉइ न्यू मैटेरियल्स के पास भारत के कुल पीईटी रेजिन आयात में 87 प्रतिशत

मई में सीमावर्ती राज्यों की बिक्री मेंदिखा उतार-चढ़ाव

एफएमसीजी की बिक्री बढ़ी, वाहनों की घटी

संकेत कौल, शारलीन डिसूजा और शाइन जैकब नई दिल्ली/मुंबई/चेन्नाई, 8 जून

मई में राजस्थान, पंजाब, गुजरात और जम्मू-कश्मीर जैसे सीमावर्ती राज्यों में दैनिक उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) की बिक्री में तेजी आई। लेकिन वाहन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध के डर की वजह से उपभोक्ताओं का व्यवहार बदलने से ऐसा हुआ। उद्योग के उपलब्ध आंकड़ों और विशेषज्ञों ने यह बात कही।

डर की वजह से खरीदारी बढ़ने के कारण एफएमसीजी श्रेणी में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। लेकिन इन राज्यों में वाहनों की बिक्री को काफी तेज झटका लगा। बाजार की अग्रणी मारुति सुजुकी पर सबसे ज्यादा असर पड़ा। इस महीने के दौरान सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या में भी 50 प्रतिशत की कमी जबकि पेट्रोल पंपों की बिक्री में भी गिरावट आई। हालांकि फार्मास्युटिकल क्षेत्र में बिक्री लगभग स्थिर रही।

अलबत्ता सूत्रों ने बताया कि पहलगाम के आतंकवादी हमले से लेकर सैन्य कार्रवाई रुकने तक की अवधि यानी 22 अप्रैल से 10 मई के बीच इन राज्यों में तनाव बढ़ा लेकिन लॉजिस्टिक में व्यवधान के बावजूद उपरोक्त क्षेत्रों में से किसी में भी आपूर्ति संबंधी चिंताएं नहीं हुईं।

एडब्ल्यूएल एम्री बिजनेस (जो पहले अदाणी विल्मर था) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी अंशु मलिक ने कहा, 'ऐसे तनावपूर्ण समय में लोगों को यह चिंता होती है कि वे अपनी रोजमर्रा की जरूरत की चीजें जुटा भी पाएंगे या नहीं। वे आम तौर पर तेल, आटा, चीनी जैसी रोजाना की जरूरत की चीजों का स्टॉक करते हैं। हमने सीमा के करीब वाले कस्बों में इन वस्तुओं की खरीदारी में तेजी देखी। हमने 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी, जो स्थिति सामान्य होने के बाद इन उत्पादों की खरीदारी को प्रभावित करती है।'



खरीदारी पर युद्ध के माहौल का असर

■ युद्ध के डर के बीच की गई खरीदारी के कारण एफएमसीजी श्रेणी में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई

■ लेकिन सीमावर्ती राज्यों में वाहनों की बिक्री को तगड़ी चोट पहुंची

■ मई में सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या 50 प्रतिशत घटी

अपने बिस्कुटों के लिए प्रसिद्ध पारले प्रोडक्ट्स की बिक्री में यह 15 से 20 प्रतिशत की तेजी वाला सप्ताह रहा। कंपनी के सूत्र ने कहा, 'उपभोक्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर वाले सप्ताह के दौरान अचानक ज्यादा खरीदारी की जो बाद में सामान्य हो गई।'

श्रीराम मोबिलिटी की रिपोर्ट के अनुसार भारत-पाकिस्तान सीमा के पास वाले कुछ क्षेत्रों में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रात के समय ब्लैकआउट के कारण माल ढुलाई में व्यवधान हुआ था, जिससे अस्थायी रूप से लॉजिस्टिक संचालन रुक गया।

सीमावर्ती राज्यों में वाहनों की बिक्री और भाड़े पर भी असर पड़ा। जम्मू और कश्मीर

में कारों की बिक्री में मासिक आधार पर 21 प्रतिशत तक की गिरावट आई। राजस्थान में 18 प्रतिशत और गुजरात में 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। श्रीराम की रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात में मैक्स कैब में 43 प्रतिशत तक, जम्मू कश्मीर में 50 प्रतिशत तक और राजस्थान में 20 प्रतिशत की गिरावट आई।

श्रीराम फाइनेंस के मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक वाईएस चक्रवर्ती ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर की वजह से सीमावर्ती राज्यों में माल की आवाजाही और वाहनों की बिक्री दोनों ही लिहाज से कारोबारी गतिविधियों में कुछ रुकावट आई। लेकिन फिर यह सामान्य हो गई है।'

ट्रक में एसी के नियमों से चालकों को मिलेगी राहत

शाइन जैकब और सोहिनी दास चेन्नाई/मुंबई, 8 जून

देश में बने और बेचे जाने वाले सभी नए मझोले और भारी ट्रकों में चालकों की सुविधा बढ़ाने के लिए वातानुकूलित केबिन होने चाहिए। सरकार के इस नियम के साथ भारत में ट्रक उद्योग ने रविवार को नए युग में प्रवेश किया।

वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने पहले ही अपने मॉडल तैयार कर लिए हैं और इस वजह से कीमतों में औसतन करीब 2 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। अलबत्ता बेड़े के मालिकों का कहना है कि परिचालन व्यय में वृद्धि और कुशल श्रमिकों की कमी से उनके कारोबार की संभावनाओं को नुकसान पहुंच रहा है।इसका सीधा असर यह हुआ कि उभरते परिदृश्य का इंतजार करने वाले ग्राहकों की खुदरा बिक्री में गिरावट आई और मई 2025 में उद्योग की बिक्री संख्या अप्रैल के मुकाबले 11 प्रतिशत से भी अधिक लुढ़क गई।मई 2024 का तुलना में यह करीब 4 प्रतिशत कम है। हालांकि इस कदम से निकट भविष्य में नए ट्रकों की बिक्री प्रभावित हो सकती है। लेकिन इससे चालकों की सुरक्षा में सुधार हो सकता है और दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है।

देश की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता टाटा मोटर्स का ही उदाहरण लें। कंपनी ने एसी केबिन की अनिवार्यता से पहले अप्रैल और मई में बहुत ज्यादा खरीदारी नहीं देखी। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई जबकि मई में बिक्री पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 9 प्रतिशत कम थी।

शुक्रवार को अपने सभी ट्रकों में फैक्ट्री-फिटेड एसी प्रणाली पेश करने वाली कंपनी ने कहा कि यह अपग्रेड

मधुमेह, मोटापा घटाने की दवा मौजारो की बिक्री बढ़ी

संकेत कौल

नई दिल्ली, 8 जून

बाजार शोध फर्म फार्मा रैंक के अनुसार इलाई लिली की मधुमेह और मोटापा घटाने वाली दवा 'मौजारो' की बिक्री में लगातार तीसरे महीने शानदार वृद्धि दर्ज की गई।यह वृद्धि बढ़ती मांग और दवा के बड़ी खुराकों में मरीजों की दिलचस्पी बढ़ने से हुई है।मई में 5 करोड़ारी गतिविधियों में कुछ रुकावट आई।लेकिन फिर यह सामान्य हो गई है।

यह दवा इस साल 20 मार्च को भारत में पेश की गई थी और फिलहाल दो इंजेक्टिबल डोजेज फॉर्म 2.5 और 5 मिलीग्राम (एमजी) में उपलब्ध है। यह खासकर उन मरीजों को दी जाती है जो मोटापा और मधुमेह की कुछ खास समस्याओं से जूझ रहे हों। आंकड़ों से पता चलता है कि मौँजारो की 5 एमजी खुराक के लिए मू्र्य और मात्रा के आधार पर बिक्री अप्रैल से मई तक दोगुनी हो गई। अप्रैल में 5एमजी मौँजारो की

बिक्री 9,380 यूनिट (3.08 करोड़ रुपये) से बढ़कर मई में 22,940 यूनिट (7.53 करोड़ रुपये) पर पहुंच गई।मौजारो के साथ इलाज आमतौर पर सबसे कम उपलब्ध खुराक रूप (2.5 मिलीग्राम) के साथ शुरू किया जाता है, जिसे सप्ताह में एक बार इस्तेमाल किया जाता है।इस शुरुआती चरण के बाद खुराक को आमतौर पर 5 मिलीग्राम प्रति सप्ताह तक बढ़ाया जाता है, क्योंकि इस स्तर पर वेट लॉस के परिणाम अधिक स्पष्ट होते हैं।

सवाल जवाब

‘बड़ी लड़ाई दूसरे नहीं, तीसरे स्थान के लिए है’

वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में बर्जर पेंट्स इंडिया की राजस्व वृद्धि पांच तिमाहियों में सबसे दमदार रही और वह अन्य सूचीबद्ध प्रमुख पेंट कंपनियों से आगे रही। कोलकाता के न्यू टाउन में अपने नए मुख्यालय में बातचीत के दौरान बर्जर पेंट्स इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी अभिजित रॉय ने इशिता आयान दत्त को बताया कि डेकोरेटिव क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के संबंध में क्या किया गया है और क्या किया जाना है। प्रमुख अंश ...



बहुत अधिक थी।

क्या आपको लगता है कि मौजूदा क्षमता के जरिये ऐसे ही परिणाम हासिल किए जा सकते हैं?
डेकोरेटिव श्रेणी में हम अब तक दूसरे स्थान वाले ब्रांड हैं। लेकिन हमारे नेटवर्क का आकार अग्रणी का एक-तिहाई है। इसलिए मेरे ब्रांड को जाना जाता है और वह (उपभोक्ताओं के) ध्यान में है। लेकिन यह उत्पाद कई जगहों पर उपलब्ध नहीं है। उत्पाद की मौजूदगी बढ़ाने से ही दायरा और पैठ बढ़ेगी। यह मौजूदा क्षमता से संभव है। अधिग्रहण ज्यादा जोखिम वाली रणनीति होती है, अपनी ताकत का उपयोग करने में फायदे हैं।

मौजूदा क्षमता विस्तार के मामले में आप अगले तीन वर्षों में लगभग 2,500 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं?
हां, हम हर माह लगभग 30,000 टन तक क्षमता बढ़ाएंगे। यह हमारी जरूरतों के मामले में काफी ज्यादा है।

माना जा रहा है कि जेएसडब्ल्यू पेंट्स एक्जोनोबेल का अधिग्रहण करने को तैयार है। क्या आपको लगता है कि दूसरे स्थान के लिए लड़ाई तेज होगी?
दूसरे स्थान के लिए लड़ाई तेज नहीं हो रही है। लड़ाई तीसरे स्थान के लिए कंसाई नैरोलेक, बिड़ला और जेएसडब्ल्यू के बीच है। दूसरा स्थान बहुत दूर है। साल 2030 तक हमारा कुल कारोबार 20,000 करोड़ रुपये होगा। सबसे बड़ी लड़ाई तीसरे स्थान के लिए है।

डार्क पैटर्न पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को परामर्श

उदिशा श्रीवास्तव

नई दिल्ली, 8 जून

भारत के उपभोक्ता संरक्षण निायक ने हाल में 50 से ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें उनसे डार्क-पैटर्न को खत्म करने और तीन महीने में सेलफ-ऑडिट करने को कहा गया है।
केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यह निर्देश केवल एमेज़ॉन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स दिग्गजों को ही नहीं बल्कि टैटल एग्रीगेटरों, फूड-टेक प्लेटफॉर्मों, राइड-हेलिंग फर्मों, मेडिटेक स्टार्ट-अप, स्ट्रीमिंग सेवाओं और फिन्टेक कंपनियों को भी भेजा है।

वहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में इस्तेमाल होने वाले मैग्नेट के आयात के लिए चीन की सरकार से मंजूरी में

वाहन उद्योग ने चीन से मैग्नेट के आयात में तेजी लाने के लिए सरकार से मदद मांगी

वाहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में इस्तेमाल होने वाले मैग्नेट के आयात के लिए चीन की सरकार से मंजूरी में

तेजी लाने के लिए सरकार से मदद मांगी है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार, विभिन्न घरेलू आपूर्तिकर्ताओं ने पहले ही चीन में अपने स्थानीय विक्रेताओं के माध्यम से चीनी सरकार से मंजूरी मांगी है। सूत्रों ने कहा कि अभी तक कोई मंजूरी नहीं दी गई है। मैग्नेट के वैश्विक प्रसंस्करण क्षमता के 90 प्रतिशत से अधिक पर चीन का नियंत्रण है। इनका इस्तेमाल वाहन, घरेलू उपकरणों और स्वच्छ ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में किया जाता है। चीनी सरकार ने 4 अप्रैल से सात दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट के लिए विशेष निर्यात लाइसेंस अनिवार्य करते हुए प्रतिबंधों के चलते जापान से सुजुकी मोटर ने पहले ही अपनी स्विफ्ट कार का उत्पादन रोक दिया है।

भाषा

कोलकाता संस्करण : बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जय हर्गोविन्ददास सरैया द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789, चौभाग वेस्ट, पोस्ट ऑफिस-तिलजला, कोलकाता-700105, प. बंगाल से मुद्रित एवं बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एपीजे बिजनेस सेंटर, 15 पार्क स्ट्रीट, एपीजे हाउस, ब्लॉक-सी, 8वां तक, कोलकाता 700016, प. बंगाल से प्रकाशित। संपादक: कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. WBHN/2008/24333 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन – 033-22101314/1022/1600 फैक्स – 033-22101599

सबरिक्पान और संकुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टरमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एफ, पैरामन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वली, मुंबई- 400013 ईमेल. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं